Date ....
Page ....

दिन : मंगलवार
दिनांक : 23 जून, 2020

पाठ - 2
वर्ण विचार

⇒ वर्ण :- वर्ण किसी भाषा के मूल कहलाते हैं।

⇒ वर्ण विचार :- किसी भी भाषा में वर्ण विचार भाषा का प्रथम व अभिन्न अंग होता है। इसमें वर्णों के आकार, उच्चारण, संधि आदि के नियमों पर विचार किया जाता है।

⇒ उच्चारण के आधार पर वर्णों के भेद :-

(क) स्वर
(ख) अयोगवाह
(ग) व्यंजन

⇒ उच्चारण में लगने वाले समय के आधार पर स्वरों के भेद :-

1. ह्रस्व स्वर
2. दीर्घ स्वर

⇒ रचना के आधार पर स्वरों के भेद :-
1. मूल स्वर
2. संधि स्वर

B612

Date ..../..../....
Page ....

=> स्वर :- वे वर्ण, जिनका उच्चारण करते समय वायु बिना किसी रुकावट के नाक से बाहर निकलती है, उन्हें स्वर कहते हैं; जैसे - अ, आ, इ, ई ...... आदि ।

=> व्यंजन :- जिन वर्णों का उच्चारण करते समय वायु थोड़ा रुककर मुख से बाहर निकलती है, उन्हें व्यंजन कहा जाता है। हिंदी वर्णमाला में 33 व्यंजन होते हैं।

• व्यंजन के भेद :

१. उच्चारण के आधार पर -

(क) स्पर्श व्यंजन
(ख) अंतःस्थ व्यंजन
(ग) ऊष्म व्यंजन

२. उच्चारण में श्वास की मात्रा के आधार पर -

(क) अल्पप्राण व्यंजन
(ख) महाप्राण व्यंजन

Date ...../...../.....

Page.....

⇒ अक्षर :- वह छोटी से छोटी ध्वनि या ध्वनि समूह जिसका उच्चारण एक ही श्वासघात में होता है, अक्षर कहलाती है।

१. एक अक्षर वाले शब्द : आ, जी, ना, जा, राम।
२. दो अक्षर वाले शब्द : आ'टा, रो'टी।
३. तीन अक्षर वाले शब्द : अँ, गी, ठी।
४. चार अक्षर वाले शब्द : अ'नु'वा'दक।

B612